राजस्थान राज्य में जैविक उत्पादन व उपभोग के द्वारा सतत् उपभोग व जीवनशैली की संस्कृति का विकास (प्रोओर्गेनिक II)

CUTS International

उद्देश्य

सामुदायिक बीज बैंक का मुख्य उद्देश्य स्थानीय बीज सुरक्षा में वृद्धि और स्थानीय रूप से महत्वपूर्ण आनुवांशिक विविधता के निरंतर उपयोग की संभावनाओं में योगदान देना है। अत: सामुदायिक बीज बैंक स्थानीय बीज सुरक्षा, किसानों को बीज की सहज उपलब्धता, कृषि विविधता एवं इससे सम्बन्धित पारम्परिक ज्ञान का संरक्षण करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं जिसके अन्तर्गत मुख्य उद्देश्यों को सम्मिलित किया गया है:

- कृषि विविधता को बनाये रखना तथा स्थानीय बीज की विभिन्न किस्मों का सतत् संरक्षण करना।
- सामुदायिक बीज बैंक एवं किसानों के अधिकारों के मध्य समन्वय बनाना।
- सामुदायिक बीज बैंक एवं किसानों के अधिकारों के मध्य समन्वय तथा सतत् कृषि उत्पादन को बढ़ावा देना।

समुदाय प्रबन्धित बीज प्रणाली

सामुदायिक बीज बैंक क्या है ?

सामुदायिक बीज बैंक समुदाय के द्वारा व्यवस्थित प्रबन्धन है, जिसमें स्थानीय बीज एवं उनकी विभिन्न किस्मों को संरक्षित रखा जाता है। इसमें बीज या तो बड़ी मात्रा में संरक्षित रखा जाता है जिससे स्थानीय आवश्यकता की पूर्ति हो सकें साथ ही विलुप्त होती प्रजातियों के बीज नमूने के तौर पर संरक्षित रखे जाते हैं।

वर्तमान समय में सामुदायिक बीज बैंक की महत्त्वता

कृषि के वर्तमान स्वरूप में किसान अधिक उत्पादन की लालसा में उन्नत किस्म तथा हाईब्रिड बीजों का प्रयोग करता है जिससे किसान की बाजार तथा बीज कंपनियों पर निर्भरता अधिक हो गई है। साथ ही, किसान की प्रति एकड़ इकाई लागत बढ़ गई है। एकल कृषि पद्धति के कारण बीजों की विभिन्न स्थानीय किस्में लुप्त होती जा रही हैं। नई प्रचलित किस्में कीट एवं रोगों के प्रति ज्यादा सुग्राही है जिससे किसान को अधिक नुकसान होता है। उक्त सभी समस्याओं से निपटने के लिए यह जरूरी है कि किसान अपने परम्परागत बीजों को संरक्षित करके रखे तथा समय-समय पर उन्हें उगाकर बदलता रहे।

सामुदायिक बीज बैंक के पारम्परिक तरीकें

बीजों को सुरक्षित रखने के लिए तरीके अलग-अलग क्षेत्रों में अलग-अलग हैं। जैसे पुराने जमाने में अनाज वाले बीजों को मिट्टी के बने हुए कोठारों में रखा जाता था। कुछ इलाकों में टिमरू के पत्ते एवं दाने, डेंकन, गंदेला, नीम के पत्ते आदि भी बीजों के साथ मिलाकर सुरक्षित रखे जाते हैं। विभिन्न प्रकार की सब्जियों के बीजों के लिए खेत में से अच्छे फल छांट कर सुरक्षित रखा जाता था तथा जरूरत पड़ने पर उस बीज को काम में लेते थे। मक्का के अच्छे भुट्टे खेत में से छांट कर घरों में लटका कर रखते थे और उनको काम में लेते थे।

सामुदायिक बीज बैंक की स्थापना: तरीके एवं मार्गदर्शिका

स्थापना

- लक्षित क्षेत्र का सर्वे तथा क्षेत्र में उगाए जाने वाली किस्मों एवं बीज वितरण प्रणाली की जानकारी
- सामुदायिक बीज बैंक के लिए उचित स्थान का चयन और आधारभूत ढांचे का निर्माण
- जिम्मेदार व्यक्ति का निर्धारण और बीज उत्पादन करने वाले किसानों का समूह निर्माण
- जिम्मेदार व्यक्तियों का प्रशिक्षण और किसानों को सामुदायिक बीज प्रणाली के बारे में प्रोत्साहित करना

संचालन

- बीज गुणन के लिए चयनित किसानों को अच्छी श्रेणी के बीजों का वितरण
- उत्पादित बीजों को किसानों से खरीदना एवं संरक्षण करना

प्रबन्धन

- मार्गदर्शिका के अनुसार बीजों का संरक्षण एवं अभिलेख रखना
- बीज बैंक निगरानी समिति का गठन
- सामुदायिक बीज बैंक को किसान उत्पादकों तथा बाजार से जोड़ना
- वितरण तथा खरीदते समय बीज की गुणवत्ता निर्धारण करना

बीज की प्रजातियां

मालानी (मक्का)

साठी

कद्दू (सब्जियां)

जंगली करेला

कालावारी (धान)

दूधमोगर

काबुली चना (दाले)

काला चना

CUTS International

कट्स सेन्टर फॉर कन्ज्यूमर एक्शन, रिसर्च एण्ड ट्रेनिंग
D-217, भास्कर मार्ग, बनीपार्क, जयपुर 302016
फोन: +91.141.2282821; फैक्स: +91.141.4015395, 2282485
ई–मेल: proorganic@cuts.org; वेबसाईट: www.cuts-international.org/CART/proorganic-II

सहयोग से
Swedish Society for Nature Conservation

This document has been produced with the financial contribution by Swedish public development co-operation aid through the Swedish Society for Nature Conservation, SSNC. The views herein shall not necessarily be taken to reflect the official opinion of SSNC or its donors.

जून 2019